संज्ञा (Nouns)

निम्न शब्दों पर ध्यान दीजिए-

राज का घर कानपुर में है।

क्रोध मनुष्य को पागल बना देता है।

मेज पर पुस्तकें रखीं हैं।

रोहन ऊँट की सवारी कर रहा है।

ताजमहल यमुना के किनारे बसा हुआ है।

इन वाक्यों में राज और रोहन व्यक्तियों के नाम हैं।

कानपूर शहर का नाम है।

मेज और पुस्तकें वस्तु का नाम है।

यमुना नदी का नाम है।

ऊँट और मनुष्य जानवर तथा आदमियों की जाति विशेष बताने वाले शब्द हैं।

क्रोध भाव विशेष का नाम है। वस्तुतः ये सभी शब्द किसी न किसी के नाम को बता रहे हैं; इसी को हम व्याकरण में संज्ञा कहते हैं। अतः हम कह सकते हैं कि जो शब्द किसी के नाम को बताते हैं उसे संज्ञा कहते हैं।

> किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, स्थिति, गुण अथवा भाव के नाम को संज्ञा कहते है।

संज्ञा के तीन भेद हैं

- व्यक्तिवाचक
- जातिवाचक
- भाववाचक

1) व्यक्तिवाचक संज्ञा (Proper noun) - किसी विशेष व्यक्ति, स्थान अथवा वस्तु के नाम का बोध करानेवाले संज्ञा शब्द को व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं। उदाहरण : गोदान,सोहन।

2)जातिवाचक संज्ञा (Common noun)- जिन संज्ञा शब्द से एक ही प्रकार के व्यक्ति,स्थानों या वस्तुओं की पूरी जाति के नाम का बोध हो उसे जातिवाचक संज्ञा कहा जाता है।
उदाहरण पुस्तक, लड़का।

- **समूहवाचक संज्ञा (Collective noun) -** जिन संज्ञा शब्द से व्यक्तियों, स्थानों या वस्तुओं के समूह या समुदाय के नाम का बोध हो उसे समूहवाचक संज्ञा कहते हैं। उदाहरणः सेना, भीड़ आदि।
- **द्रव्यवाचक संज्ञा (Material noun)-** जिन संज्ञा शब्द किसी धातु या द्रव्य का बोध हो उसे द्रव्यवाचक संज्ञा कहा जाता है।
  उदाहरण : सोना, चावल, जल आदि।

3) भाववाचक संज्ञा (Abstract noun) जिन संज्ञा शब्द से किसी भी प्रकार के भाव, गुण अथवा क्रिया के नाम का बोध हो उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं। उदाहरण : मिठास, उदासी

भाववाचक संज्ञाएँ बनाना -

भाववाचक संज्ञा शब्द पांच प्रकार से बनती हैं -

1.जातिवाचक 2.सर्वनाम 3.क्रिया 4.विशेषण 5.अव्यय

1.जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा	जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
बच्चा	बचपन	पशु	पशुता
मनुष्य	मनुष्यता	युवा	यौवन
लड़का	लड़कपन	देव	देवत्त
भाई	भाईचारा	परिवार	पारिवारिक
गुरु	गुरुता		

2.सर्वनाम	भाववाचक संज्ञा	सर्वनाम	भाववाचक संज्ञा
स्व	स्वत्व	पराया	परायापन
सर्व	सर्वस्व	अंह	अंहकार
आप	आपा	निज	निजता

3. क्रिया	भाववाचक संज्ञा	क्रिया	भाववाचक संज्ञा
जागना	जाग	थकना	थकावट
बचना	बचाव	उतरना	उतार
कहना	कहावत	सुनना	सुनाई

4.विशेषण	भाववाचक	विशेषण	भाववाचक
गरम	गरमाहट काला	उदार	उदारता
बुरा	बुराई	सुंदर	सुन्दरता
काला	कालापन	मोटा	मोटापा
मधुर	मधुरता	मूर्ख	मूर्खता
हरा	हरियाली		

5.अव्यय	भाववाचक संज्ञा
निकट	निकटता
मना	मनाही
दूर	दूरी
समीप	समीपता
धिक्	धिक्कार

विशेष

- जातिवाचक संज्ञाएँ गणनी होती है।ये एकवचन और बहुवचन दोनों में होती हैं।
- व्यक्तिवाचक संज्ञाएँ केवल बहुवचन में होती हैं।
- समूहवाचक संज्ञाएँ एकवचन और बहुवचन दोनों में होती हैं।
- द्रव्यवाचक संज्ञाओं अधिकतर बहुवचन में होती हैं।

- व्यक्तिवाचक संज्ञा का जातिवाचक वाचक संज्ञा के रूप में प्रयोग

  कई बार व्यक्तिवाचक संज्ञा शब्दों का प्रयोग इस प्रकार किया जाता है कि वे जातिवाचक संज्ञा शब्दों की तरह ही लगती हैं और ऐसा उस व्यक्ति के गुणों के आधार पर होता है जब हम किसी व्यक्ति विशेष के नाम का प्रयोग उसके गुणों को बताने के लिए करते हैं तब व्यक्तिवाचक संज्ञा, जातिवाचक बन जाती है ; जैसे

  - वह तो विभीषण निकला, अपनों को हो धोखा दे गया।
    (विभीषण - घर का भेदी लंका ढाए)
  - वह तो वीर अर्जुन है, गुरु के लिए कुछ भी कर सकता है।
    (अर्जुन - गुरुभक्ति के रूप में)
  - आज भी भारत में श्रवण कुमार जैसे पुत्र हैं।
    (श्रवण कुमार - माता -पिता की भक्ति के रूप में)

- जातिवाचक संज्ञा का व्यक्तिवाचक संज्ञा के रूप में प्रयोग

  कुछ जातिवाचक शब्दों के अर्थ भी किसी व्यक्ति या स्थान के लिए रूढ़ हो जाते हैं; जैसे

  - ❖ पंडितजी आजाद भारत के पहले प्रधानमन्त्री थे। (पंडितजी -जवाहरलाल नेहरू)
  - ❖ नेताजी ने देश के लिए अपना बलिदान दिया। (नेताजी - सुभाषचन्द्र बोस)
  - ❖ महात्माजी का नाम कौन नहीं जानता? (महात्मा -गाँधीजी)

- भाववाचक संज्ञा शब्दों का जातिवाचक संज्ञा के रूप में प्रयोग

  भाववाचक संज्ञा शब्दों का प्रयोग एकवचन में होता है लेकिन जब कभी कुछ भाववाचक संज्ञा शब्द बहुवचन में प्रयुक्त होते हैं, तब वे जातिवाचक बन जाते हैं जैसे

  - किसी में इतने दुर्गुण होते हैं, में सोच भी नहीं सकता।
  - अब तो दूरियाँ भी नजदीकियाँ बन गई हैं।

ध्यान दें (Points to remember)

- ❖ किसी भी व्यक्ति,वस्तु,स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।
- ❖ संज्ञा के तीन भेद हैं -व्यक्तिवाचक,जातिवाचक,भाववाचक।
- ❖ संज्ञा के दो अन्य भेद द्रव्यवाचक और समूहवाचक भी हैं।
- ❖ किसी विशेष व्यक्ति, स्थान अथवा वस्तु के नाम का बोध करानेवाले संज्ञा शब्द को व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।
  - ❖ जिन संज्ञा शब्द से एक ही प्रकार के व्यक्ति,स्थानों या वस्तुओं की पूरी जाति के नाम का बोध हो उसे जातिवाचक संज्ञा कहा जाता है।